OM 22 MAHARASHTRA final_Page 1 and 2 18/02/2015 17:49 Page 12

गीता के सच्चे अर्थ से जीवन में परिवर्तन होगा- अण्णा हज़ारे

अहमदनगर(जॉगिंग पार्क)। जस्टिस इश्वरैय्या पूर्व उच्चतम न्यायालय आंध्र प्रदेश, ने अपने अनुभव सुनाते हुए कहा कि परमात्मा एक है। वे विश्व के नियंता हैं। वे सृष्टि के कालचक्र के पुनरावृत्ति में हमे मानव से देव बनाने इस धरा पर अवतरित होते हैं। गीता में भी लिखा है कि यदा यदाहि धर्मष्य ग्लानिर्भवति भारत:..., अत:अब हमें उन्हें पहचान कर भारत को देवस्थान बनाना है।

सबसे की अपील, कि सभी लें राजयोग की शिक्षा

आज मनुष्य सुख की तलाश में भाग रहा है, लेकिन सच्चे सुख से वो बहुत दूर जा रहा है। हम सालों से गीता पढ़ते आये, लेकिन गीता के श्लोकों का असली अर्थ केवल ब्रह्माकुमारी द्वारा दिये गये ज्ञान से ही विश्व को मिल सकता है। उक्त उद्गार अण्णा हज़ारे जी ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय कार्यक्रम में व्यक्त किए। इस ज्ञान से केवल गीता रहस्य को जान ही नहीं सकते लेकिन ब्रह्माकुमारी द्वारा दिए गए राजयोग से गीता ज्ञान को अपने जीवन में धारण कर सकते हैं। ब्रह्माकुमारी द्वारा बताये जाने वाले ज्ञान तथा राजयोग से ही मनुष्य का स्व-परिवर्तन तथा समाज परिवर्तन संभव है। अत: सबसे मेरी अपील है कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा बताये जाने वाले ज्ञान तथा राजयोग की शिक्षा अवश्य प्राप्त करें। ये शिक्षा ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा सारे विश्व में नि:शुल्क दी जाती है। मैंने स्वयं ब्रह्माकुमारी के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउण्ट आबू में 3 बार कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर ब्रह्माकुमारी के कार्यों को नज़दीक से देखा है।

''गीता रहस्य प्रवचनमाला'' प्रवचन में ब्र.कु. उषा ने बताया कि गीता ज्ञान केवल अर्जुन को नहीं दिया गया, बल्कि विश्व की सब आत्माओं के लिए दिया गया है। विश्व की महान आत्माओं ने अपने जीवन में गीता ज्ञान को अपनाया, तभी वो महान बने। गीता ज्ञान को अपने जीवन में अपनाने से सभी समस्याओं का समाधान प्राप्त हो सकता है। हमें अपने जीवन को कैसे जीना है इसका मार्गदर्शन गीता ज्ञान से मिलता है। गीता ज्ञान में सारे वेदों का सार समाया हुआ है। उन्होंने कहा कि नगर के लिए यह बहुत ही सुअवसर है गीता के रहस्य को जानने का। स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर जैसे व्यक्तियों ने अपने जीवन में गीता ज्ञान को अपनाया तभी वे महान बने। इस कार्यक्रम का उद्घाटन अण्णा हज़ारे जी के हाथों से हुआ। उनके साथ मेयर संगाम जगताप, ब्र.कु. गंगाधर, ब्र.कु. राजेंदर, ब्र.कु. राजकुमार, ब्र.कु. दीपक हरके, ब्र.कु. सुनंदा, ब्र.कु. उषा, , ब्र.कु. राजेश्वरी मंच पर उपस्थित थे। इस अवसर पर अहमदनगर के स्कूल के बच्चों ने दिव्य गीतों पर नृत्य प्रस्तुति देकर सबको मोहित किया। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य हज़ारो लोगों ने लाभ लिया।

अहमदनगर। दीप प्रज्वलन करते हुए अण्णा हज़ारे के साथ मेयर संगाम जगताप, ब्र.कु.गंगाधर, ब्र.कु. डॉ. राजेंदर, ब्र.कु.राजकुमार, ब्र.कु.दीपक हरके, ब्र.कु.सुनंदा, ब्र.कु.उषा, ब्र.कु.राजेश्वरी, डॉ. कान्डेलकर तथा अन्य।

अहमदनगर। अण्णा हज़ारे गुब्बारे छोड़ते हुए। साथ हैं ब्र .कु. सुनंदा, ब्र.कु.उषा, ब्र.कु. राजेश्वरी, ब्र.कु.दीपक, ब्र.कु. प्रो.राजकुमार,ब्र.कु.गंगाधर, ब्र.कु.राजेन्द्र।

कौमी एकता की मिसाल बनी शिव संदेश यात्रा

फर्रुखाबाद-उ.प्र.। पिछड़ा वर्ग आयोग के चेयरपर्सन ईश्वरैय्या, ब्र.कु.मंजु तथा विभिन्न धर्म के प्रतिनिधिगण समूह चित्र में।

फर्रुखाबाद-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के बीबीगंज सेवाकेन्द्र की ओर से निकाली गई शोभायात्रा में गंगा जमुना तहजीव की खुशबू बिखरी। इस शिव संदेश यात्रा में सभी धर्मों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। शोभायात्रा में ब्र.कु. बहनों व भाइयों के अलावा पप्पन मियां, ज्ञानी गुरुवचन सिंह, अरुण प्रकाश तिवारी ददुआ, पादरी किशन मसीह, मौलाना सदाकत हुसैन के साथ तमाम लोग शामिल हुए। इस यात्रा के द्वारा समाज के लोगों को व्यसनमुक्त, निर्विकारी और भाइचारे का संदेश दिया गया। शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। मनीष मिश्रा ने शोभायात्रा में आए धर्म प्रमुखों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। यात्रा के दौरान लोगों को परमात्मा द्वारा दिए गए वचन का स्मरण कराया गया।

हुआ आध्यात्मिक प्रदर्शनी का उद्घाटन: यात्रा के मेला श्रीरामनगरिया में पहुंचने पर आध्यात्मिक प्रदर्शनी का उद्घाटन पिछड़ा वर्ग आयोग के चेयरपर्सन व पूर्व न्यायाधीश वी. ईश्वरैय्या ने किया और निर्विकारी, चरित्रवान बनाने वाली प्रदर्शनी की भी स्तुति की। दिल्ली से आए मीडिया विंग के कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. सुशांत ने संस्था का परिचय देते हुए कहा कि यह संस्था औपचारिक ज्ञान प्रदान करती है जिसकी समाज में बेहद ज़रूरत है। हमारी युवा जेनरेशन को इस आध्यात्मिक ज्ञान की आवश्यकता है। कासगंज से आई ब्र.कु. सरोज ने कहा कि यह युग कल-पुर्जों व कलह क्लेश का युग है। हर चीज़ की अति हो रही है। ऐसे समय में उस परमशक्ति परमात्मा की आवश्यकता है जो इस धरा पर अवतरित होकर इस सृष्टि का परिवर्तन करें। डी.एम. एन.के.एस. चौहान ने कहा कि हमें अपने कर्म पर विश्वास रखना चाहिए। इस परिवर्तन की बेला में सभी को सहयोगी बनना है।

दशनाम जूना अखाड़ा के सचिव ईश्वरानंद और सुरेन्द्र सिंह सोमवंशी ने कहा कि यदि हम पारस्परिक सहयोग करें तो सारा संसार एक परिवार, एक कुटुंब बन सकता है। ईश्वरैय्या ने कहा कि परमात्मा का नशा सबसे बड़ा नशा है। उससे बड़ा कोई नशा नहीं है। आत्मा केवल ज्ञान गंगा के जल से ही पवित्र बन सकती है। ज्ञानी गुरुवचन सिंह, अरुण प्रकाश तिवारी ददुआ, पादरी किशन मसीह, मौलाना सदाकत हुसैन तथा ब्र.कु. मंजू ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस मौके पर पूर्व विधायक महरम सिंह, पूर्व हेल्थ डायरेक्टर रामबाबू, सुरेश चन्द्र गोयल आदि मौजूद रहे।

हरिद्वार। 18जनवरी समृति दिवस पर मंसा देवी मंदिर के अध्यक्ष महंत रामानंदपुरी महाराज अपना विचार व्यक्त करते हुए। साथ हैं ब्र.कु.मीना।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - **9414006096, 9414182088,** Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक **190** रुपये, तीन वर्ष **570** रुपये, आजीवन **4500** रुपये । **विदेश - 2500** रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 4th feb-2015
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.वी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।